भजन

तर्ज..इशारों इशारों में दिल लेने

माशूक मेरे ये तेरी निगाहें,
करती हैं घायल दिल सखियों के
निगाहों निगाहों में करके इशारे,
खींचते हो इश्के रस में भिगो के

1 मीठे ये नैन तेरे, मीठी तेरी बतियां
मन मोहिनी ये छवि, निरखत हैं सखियाँ
रंग महल की गालियों में घूमे,
रस भीगी संग अपने पिया के

2 मुस्कनियां ये तेरी, राज दिल के बयान करे
सुरख फूलों से महक उठे, दिल के जज्बात मेरे–2
तिरछी निगाहों की ये मुस्कुराहट,
ले ही गई दिल खींच कर सखियों के

3 उस सुख की क्या कहूं ,जो लेवे हिंण्डोलन में
अरस परस झूलें, अंग लगाए अंग में–2
एक दिली के आनंद में डूबे,
सुख ये अखण्ड हैं अपने पिया के